प्रभात खबर - 03-02-13

(35)

फ्रंटियर की उपलब्धि सराहनीय : जोशी

बैठक को संबोधित करते बीएसएफ के महानिदेशक.

प्रतिनिधि ■ सिलीगुड़ी

19 दिसंबर 2012 को सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार उत्तर बंगाल फ्रंटियर के दौरे पर आये सुभाष जोशी ने आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की. इस अवसर पर उन्होंने बल की भूमिका व उपलब्धियों की जानकारी हासिल की. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में फ्रंटियर की उपलब्धि सराहनीय रही है. सीमा पर होने वाले अपराध व फायरिंग में कमी आयी है. उन्होंने आगे भी इसी तरह से कार्य करने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों से हमारे पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के साथ संबंध बेहतर हुए हैं. हाल ही में ढ़ाका में गृहमंत्री स्तर की वार्ता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जवानों को सीमा पर न्यूनतम बल का प्रयोग करना है. घातक हथियारों का इस्तेमाल केवल अतिविषम हालात में आत्मरक्षा में ही करना है. सीमा पर होनेवाले जान-माल के नुकसान से आपसी संबंधों पर असर पड़ता है. सीमांत मुख्यालय में आयोजित सैनिक समेलन में उत्कृष्ट सेवा देनेवाले कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्होंने सम्मानित किया. साथ ही उन्होंने बीएसएफ कैंप में स्थापित संयुक्त अस्पताल का दौरा किया. ड्यूटी के दौरान घायल हुए जवानों से मिले. वे तीनबीघा कारिडोर भी गये व वहां के हालात का जायजा भी लिया. सीमा चौकी फुलबाड़ी जाकर व्यापार संबंधी विकास कार्यों का जायजा भी लिया.

दैनिक जागरण - 03-2-13

बेहतर हुए हैं भारत बांग्लादेश के रिश्ते

पत्रकारों से बात करते सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक सुभाष जोशी। जागरण

सिलीगुड़ी, जागरण संवाददाता : सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक सुभाष जोशी ने कहा है कि हाल के कुछ वर्षों में भारत-बांग्लादेश के रिश्ते बेहतर हुए हैं। इसे बरकरार रखने व और बेहतर करने के प्रति हम तत्पर हैं।

हाल ही में डाका में हुई भारत-बांग्लादेश के गृह मंत्री स्तरीय वार्ता का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सीमा पर दोनों ओर से जवानों को न्यूनतम बल प्रयोग करना है। घातक हथियारों का इस्तेमाल अतिविषम परिस्थिति में आत्मरक्षा हेतु ही करना है। सीमा पर होने वाले जान-माल के नुकसान से आपसी संबंधों पर प्रतिकूल असर पड़ता है। बीएसएफ महानिदेशक का पदभार संभालने के बाद सुभाष जोशी पहली बार यहां बीएसएफ के उत्तर बंगाल सीमांत क्षेत्र के दौरे पर आए हुए थे। वह शनिवार को भारत-बांग्लादेश सीमांत तीन बीघा कॉरिडोर बीएसएफ की सीमा चौकी (फूलबाड़ी) का दौरा कर वहां के हालात से वह रू-ब-रू हुए और उत्तर बंगाल सीमांत मुख्यालय (कदमतला) में वरिष्ठ अधिकारियों संग बैठक की। यहां बांग्लादेश

◆ सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक सुभाष जोशी का दावा

सीमांत क्षेत्र में बीएसएफ की अब तक की भूमिका, उपलब्धियों और चुनौतियों की विस्तृत जानकारी ली व समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमांत क्षेत्र में फायरिंग की घटना व अपराध में काफी कमी आई है। इसे और कम करने हेतु और जोर दिया जाएगा। सीमांत मुख्यालय में ही आयोजित एक सैनिक सम्मेलन में उन्होंने बल के कार्मिकों को संबोधित कर उनका हौसला भी बढ़ाया। साथ ही अपने कंधों पर देश की सुरक्षा का भार उठाए जवानों के प्रति गर्व बोध जताते हुए उन्होंने जवानों को अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया व बल की गरिमा बनाए रखने की हिदायत भी दी। उन्होंने हर बटालियन में महिलाओं व छोटे-छोटे बच्चों के लिए 'बावा' के तहत कंप्यूटर शिक्षा, प्ले स्कूल, डीजी छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण व बल के शहीद कार्मिकों की विधवाओं को रोजगार हेतु मदद आदि की व्यवस्था किए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

जनपथ समाचार - 03-2-13

सीसुब के महानिदेशक ने किया उत्तर बंगाल सीमान्त मुख्यालय का दौरा

सिलीगुड़ी (निज संवाददाता)। श्री सुभाष जोशी, भारतीय पुलिस सेवा ने सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने के बाद के पहली बार उत्तर बंगाल फ्रंटियर का दौरा किया और सीसुब के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तर की बैठक की । अधिकारियों को संबोधित करते हुए श्री जोशी ने बंगलादेश सीमा पर बल की भूमिका और उपलब्धियों की जानकारी हासिल की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में इस फ्रंटियर की उपलब्धियां सराहनीय रही हैं। सीमा पर होने वाले अपराध एवं फायरिंग में काफी कमी आई है और आगे भी इसी तरह के कार्य करने के लिए जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पड़ोसी मुल्क बंगलादेश के साथ हमारे संबंध बेहतर हुए हैं। हाल ही में ढ़ाका में हुए गृह मंत्री स्तर की वार्ता का जिक्र करते हुए कहा कि बल के जवानों को सीमा पर न्यूनतम बल का प्रयोग करना है और घातक हथियारों का इस्तेमाल केवल अति विषम परिस्थितियों में आत्मरक्षा में ही करना है। सीमान्त मुख्यालय में एक सैनिक सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें बल के कार्मिकों से मुखातिब हुए तथा उत्कृष्ट सेवा देने वाले कार्मिकों को महानिदेशक का प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने जवानों के कल्याण एवं समस्याओं के निपटारे हेतु कई प्रकार के कदम उठाने के निर्देश दिए। जैसे हर बटालियन में छोटे-छोटे बच्चों के लिए बावा के तहत प्ले स्कूल, डीजी स्कॉलरशिप, शिक्षा लोन व बावा के अधीन महिलाओं एवं बच्चों के लिए कम्प्यूटर शिक्षा तथा बल के शहीद कार्मिकों की विधवाओं को रोजगार देने की बात की। उन्होंने सर्वप्रथम बीएसएफ कैम्पस में स्थापित संयुक्त अस्पताल का दौरा किया तथा सक्रिय ड्यूटी के दौरान घायल हुए केन्द्रीय पुलिस बल के जवानों से मुलाकात की और उन्हें जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उसके बाद सीमा पर दौरा के अन्तर्गत तीनबीघा कॉरीडोर का दौरा किया और वहां के हालातों का जायजा लिया। उसके बाद फूलबाड़ी का दौरा किया और व्यापार संबंधी विकास कार्यों का जायजा लिया।